

दैनिक जागरण 18/09/2026

सीएसए में 100 क्षय रोगियों को बांटी पोषण पोटली

कानपुर : चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) की ओर से मुरारी लाल चेस्ट हास्पिटल और विश्वविद्यालय परिसर में करीब 100 क्षय रोगियों को पोषण किट वितरित की गई। विश्वविद्यालय परिसर में शोभित सक्सेना की उपस्थिति में मरीजों को पोषण पोटली प्रदान की गई। डीन कम्युनिटी साइंस डा. सीमा सोनकर के निर्देशन में हुआ। वित्त अधिकारी संजय राय का आयोजन में सहयोग रहा। जासं

मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल एवं सीएसए विश्वविद्यालय परिसर में 100 क्षय रोगियों मिली पोषण पोटली



संवाददाता | डॉक्टर कृष्ण मोहन त्रिपाठी

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के तत्वावधान में मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल एवं विश्वविद्यालय परिसर में क्षय रोग (टीबी) से पीड़ित लगभग 100 मरीजों को पोषण किट वितरित की गई। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित वितरण कार्यक्रम में श्री शोभित सक्सेना की उपस्थिति में मरीजों को पोषण किट प्रदान की गई। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता के प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन में संचालित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डीन, कम्युनिटी साइंस, डॉ. सीमा सोनकर के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर मरीजों को पोषण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया

तथा क्षय रोग से लड़ने में संतुलित एवं पौष्टिक आहार की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री संजय राय के सहयोग का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर डॉ. विनिता सिंह, डॉ. संगीता गुप्ता, डॉ. रितु पांडेय, श्री रवींद्र सिरोही, श्री अशोक वर्मा, श्रीमती पूजा निगम एवं श्री सुनील गौतम सहित अन्य उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित इस पहल का उद्देश्य क्षय रोगियों की स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी आवश्यकताओं में सहयोग प्रदान करना तथा समाज में टीबी के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है।

Nutrition kits given to 100 TB patients

Nutrition kits were distributed to 100 tuberculosis patients at Murari Lal Chest Hospital and CSA University campus. Under the aegis of Chandrashekhar Azad University of Agriculture and Technology, Kanpur, nutrition kits were distributed to about 100 TB patients at Murari Lal Chest Hospital and the university campus..

This program was conducted under the guidance of the university's vice-chancellor Dr Sanjeev Gupta, dean, Community Science, Dr Seema Sonkar. Patients were made aware of the role of a balanced and nutritious diet in fighting tuberculosis was highlighted.

टमाटर की फसल के लिए तैयार कर लें नर्सरी

खेत
खलिहान



जागरण संवाददाता, कानपुर : टमाटर की मांग पूरे साल बनी रहती है। अक्टूबर में फसल की बोआई होती है। इससे पहले सितंबर में इसकी नर्सरी तैयार की जाती है। ऐसे में टमाटर की अगती फसल के लिए पौध तैयार करने का यह सबसे सही समय है। बाजार की मांग के लिए आजाद टी-6 प्रजाति लगाई जा सकती है। इसके फल मध्यम आकार के होते हैं और उत्पादन भी अच्छा मिलता है।

चन्द्रशेखर आजाद (सीएसए) कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. संजीव कुमार सिंह ने बताया कि अच्छी पौध के लिए नर्सरी की मिट्टी साफ और स्वस्थ होना जरूरी है। इसके लिए सबसे पहले मिट्टी को भुरभुरा कर लें। इसमें मौजूद खरपतवार, पुरानी जड़ें और फसल के बचे हिस्से निकाल दें। नर्सरी में पानी जमा न हो, इसके लिए



डा. संजीव कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक • सीएसए

6 इंच ऊंची क्यारी नर्सरी में बनाएं, मिट्टी को ट्राइकोडर्मा से करें उपचार



टमाटर की फसल • सीएसए

टमाटर की नर्सरी तैयार करने का सही तरीका

- बीज सीधे खेत में न बोकर पहले नर्सरी में बोएं। चार-पांच सप्ताह में पौध 10-15 सेंटीमीटर की हो जाए तो खेत में रोपाई करें।
- 10-15 सेंटीमीटर ऊंची क्यारी बनाएं, ताकि पानी जमा न हो।
- क्यारी की कुल चौड़ाई 90 से 100 सेंटीमीटर के बीच ही रखें।
- बीज करीब चार सेंटीमीटर गहराई पर कतारों में बोएं।
- बीजों को पांच-सात सेंटीमीटर की दूरी पर बोएं।
- बोआई से पहले प्रति किग्रा बीज में दो ग्राम कैप्टान मिलाएं।
- बोआई से पहले प्रति वर्गमीटर 8-10 ग्राम कार्बोफेथुरान थ्रीजी का घोल मिट्टी में मिलाएं।
- बीज अंकुरित होने के बाद रोग से बचाव के लिए क्यारियों में कैप्टान के 0.2 प्रतिशत घोल का प्रयोग करें।

खेत में पानी निकासी की व्यवस्था रखें। करीब छह इंच ऊंची क्यारी बनाएं। इसमें सड़ी गोबर की खाद मिलाकर ट्राइकोडर्मा डालें। इससे

मिट्टी में मौजूद फफूंद को नियंत्रित करने और पौध को रोग से बचाने में मदद मिलेगी। करीब एक माह का होने पर पौध की खेत में रोपाई करें।